

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जांशी,
रुर्देव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड
देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक 3 अक्टूबर, 2007

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2007-08 में डाक्ट चट्टीगांव में निर्माणाधीन 44 शैक्षिक होस्टल निर्माण हेतु
धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 27382/5 ख-1/11/डाक्ट/2007-08, दिनांक 27 अगस्त 2007 के सदर में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाक्ट) चट्टीगांव, पीडी के 44 शैक्षिक मुक्त महिला छात्रावास के निर्माण हेतु कार्यवाही संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि०, श्रीनगर, गढ़वाल इकाई द्वारा गठित एवं टी०ए०सी० द्वारा अनुमोदित आगमन रु० 88.70 लाख के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृत धनराशि रु० 35.00 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु० 53.70 लाख में से रु० 35.00 लाख (रु० पैंतीस लाख मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में साप्तादेश संख्या-1010/XXIV-3/07/02(20)/2007, दिनांक 03 अगस्त, 2007 द्वारा प्रस्तावित योजना में आपके निर्वातन पर रखी गयी धनराशि रु० 160.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- आगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों पर तथा जो दरें सिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन करना आवश्यक होगा, तदोपरान्त ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी।
- 2- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा, जितना कि स्वीकृत नार्मस हैं। स्वीकृत नार्मस से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4- एक मुस्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।
- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकाएँ तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त स्थल का भूतलानि निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता को साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 7- आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री को किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 9- जी० पी० डब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा। विलम्ब के कारण आगमन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।



- 10- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण का विस्तृत आगमन गठित करते समय स्वीकृत बजट एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाय तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को दी दें एवं डिप्टी कमिश्नर/मेडिकल के हॉस्टलों का निर्माण एनआईसीओ के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगमन गठित किये जायें।
- 11- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनदेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगमन गठित कराते समय कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 12- निर्माण की गुणवत्ता के लिए सम्बन्धित निर्माण एजेंसी उत्तरदायी होगी।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर तथा समस्त शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रवृत्ति में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 को उक्त लेखाशीर्षक 4202 शिक्षा गैलरीयों तथा संस्कृति पर पुंजीगत व्यय का माध्यम शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-आयोजनागत-00-19-जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों का भवन निर्माण-24-गृह निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के असारणीय पत्र संख्या-510(2)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2007, दिनांक 22 अक्टूबर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)

सचिव

संख्या-1334(1)/XXIV-3/07/02(72)/2006, रा.दि.पं.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षामंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पीडी।
- 6- मण्डलाध्यक्ष अवर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पीडी।
- 7- अवर सचिव, समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- जिलाधिकारी, पीडी।
- 9- कोषाधिकारी, पीडी।
- 10- प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान घड़ीगांव, पीडी।
- 11- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर।
- 12- वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 13- एनआईसीओ, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 14- सम्बन्धित निर्माण एजेंसी।
- 15- माई फाइल।

आज्ञा से,

सचिव

(पी०एल०शाह)
उप सचिव